सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

देश की आजादी की 67 वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर उत्तराखंड के राज्यपाल डा0 अज़ीज़ कुरैशी का राज्य की जनता के नाम बधाई संदेश

देहरादून दिनांक 14 अगस्त, 2014

''स्वतंत्रता दिवस की 67 वीं वर्षगांठ पर वीरभूमि, देवभूमि उत्तराखंड के समस्त नागरिकों को मेरा आत्मिक अभिनंदन, बधाई एवं शुभकामनायें।

यह महान दिन, सत्य एवं अहिंसा आन्दोलन के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी सहित आजादी के लिए वर्षों तक अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जंग लड़ने वाले उन सभी ज्ञात, अज्ञात, असंख्य देशभक्तों के प्रति श्रद्धांजलि एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है जिन्होंने मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर किया।

आजादी के बाद ही हमने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की गरिमा हासिल की है जिससे देश के किसी भी कोने में रहने वाले किसी भी धर्म, जाति, वर्ग अथवा संस्कृति के लोगों को सहज जिन्दगी जीने का मौका मिला, ऐसा दुनिया के किसी और मुल्क में नही है।

आजादी के बाद हमने कई क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए हैं किन्तु प्रतिभा, प्रयास, योजना और पर्याप्त संसाधनों के बावजूद हम विकास की उन ऊँचाइयों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं जहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता था। हमारे सामने घृणा, हिंसा, अराजकता और अलगाववादी ताकतों सहित प्रकृति के प्रकोप ने भी लगातार चुनौतियाँ खड़ी की हैं। हमें सामूहिक जिम्मेदारी के साथ इन चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत जुटानी होगी।

किसी भी देश या राज्य की सामर्थ्य उसके सामने आने वाली चुनौतियों से नहीं बल्कि उनको हल करने के ढंग से आंकी जाती है। स्थितियों के विश्लेषण, कानूनों, नीतियों तथा योजनाओं के क्रियान्वयन के समय हमें ध्यान रखना होगा कि हमें समाज में नैतिकता तथा मूल्यों को बनाए रखकर ही प्रगति के पथ पर आगे बढ़ना है।

आज हमारे समाज में नारी की सुरक्षा व सम्मान के सवाल निरंतर गहराते जा रहे हैं जो गंभीर चिन्ता का विषय है। सुरक्षा, सम्मान और समता के बिना आजादी का कोई व्यावहारिक मतलब नहीं है। देश में सच्ची शांति व प्रगति तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक सुरक्षित, सशक्त और संतुष्ट हो। महिलाओं के विरूद्ध अपराधों से बहुत सख्ती से निपटना होगा। देश की आजादी से लेकर उसके विकास में महिलाओं का बराबर का योगदान है। किसी भी सभ्य समाज के लिए महिलाओं का पुरूषों के समान मजबूत होना जरूरी है।

आज इस महान अवसर पर मैं एक बात और कहना चाहूँगा कि आजाद देश के नागरिक के रूप में हम सब का दायित्व है कि हम अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने पर ही अपने अधिकारों की बात करें।

मेरे राज्य के प्यारे नागरिकों ! आज हमारे सामने यह चुनौती है कि प्राकृतिक आपदा से पीड़ित हम अपने राज्य को आगे किस तरह ले जाते हैं।

आज के दिन हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपनी सक्रिय और सकारात्मक सहभागिता से राज्य को ऐसी सम्मानित स्थिति तक ले जाएं कि राज्य के साधन–संपन्न और साधनहीन नागरिक के बीच का अंतर न्यूनतम रह जाए। हमारा यही प्रयास हमारी आजादी के महानायकों के प्रति वास्तविक आभार एवं श्रद्धांजलि होगी।''

---------0---------

जयहिन्द!

सहायक निदेशक सूचना, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड

मो0 9456590619 टेली फैक्स 0135–2756172

Uttarakhand Governor Dr.Aziz Qureshi's message to the people of the state on the eve of the 67th anniversary of Independence Day

Raj Bhavan, Dehradun, 14th August, 2014

"On the 67th anniversary of Independence Day I extend my heartiest greetings to all citizens of the Virbhumi and Devbhumi Uttarakhand.

This great day is an occasion for expressing regards and gratitude towards all the known and unknown people who sacrificed their lives while fighting against the British Rule for the country's Independence. We pay our tributes to Mahatma Gandhi, the father of the nation and the leader of the freedom struggle, and all those who contributed to bring in the dawn of independence.

It is after independence that we acquired the distinction of becoming the largest democracy of the world which has given the opportunity to all people, irrespective of their religion, caste, class and culture, to live a free life.

We have, after getting Independence, made historic achievements. However, despite all our skills, efforts, planning and resources, we have not been able to reach the heights although we are very much capable of doing that. Constant challenges in the shape of violence, lawlessness, separatist powers and natural disasters are before us. We will have to unitedly face these challenges.

Any country's capability is estimated by the manner in which it handles the challenges it has to face. While analysing situations and implementing laws, policies and plans, we will have to keep in mind that we maintain moral values in the society and make progress continuously.

In our society today, the question of safety and respect for women is of grave concern. Without safety, respect and equality there is no meaning of freedom. True peace and progress of the nation is only possible when each citizen is safe, empowered and satisfied. Crime against women will have to be dealt with severely. Women have played a significant role in the freedom and progress of the country. For any civilised society, women have to be as empowered as men.

On this occasion, I would like to say that as citizens of a free country, each one of us must be dedicated towards our duties. Only then can we talk about our rights.

Dear people of Uttarakhand, we are faced today with the great challenge of taking our State forward after the natural disaster that hit it last year. We all must resolve today that we will, with our active and positive involvement, take our State to a position where the difference between the 'have's' and the 'have-nots' is minimised. This effort of ours will be the true gratitude and tribute towards the heroes of our freedom struggle."

JaiHind!

---------0---------

सहायक निदेशक सूचना, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0 9456590619 टेली फैक्स 0135–2756172